विधि संकाय लखनऊ विश्विद्यालय

द्वारा आयोजित

“क्वेस्ट फॉर वर्ल् डपीस इन २१ सेंच्युरी”

वेबिनार का संक्षिप्त विवरण

प्रथम दिवस

२६/०५/२०२०

आज दिनाँक २६ मई, २०२० को लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के द्वारा "क्वेस्ट फॉर वर्ल्ड पीस इन २१ सेंच्युरी" विषय पर ३ दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का उद्घाटन वरिष्ठ अधिवक्ता, अखिल भारतीय बार काउंसिल एसोसिएशन के अध्यक्ष तथा न्यायविदों की अंतर्राष्ट्रीय परिषद, लंदन के अध्यक्ष डॉ आदिश चंद्र अग्रवाल ने किया।

वेबिनार के विषय पर प्रकाश डालते हुए डॉ आदिश चंद्र अग्रवाल ने कहा कि यह एक अलग प्रकार का मुद्दा है जिसके बारे में कोई बात नहीं कर रहा है। उन्होने विश्व के विकसित और विकासशील देशों की गिरती हुई अर्थव्यस्था का ज़िक्र किया साथ ही साथ उन्होने अमेरिका द्वारा चीन पर लगाए जा रहे आरोपों को तर्कसंगत बताते हुए यह भी कहा कि यदि चीन समय पर डब्ल्यू० एच० ओ० को इस बीमारी से अवगत करा देता तो यह महामारी पूरे विश्व के लिए संकट न बनती, साथ ही उन्होने यह भी बताया कि चीन ने छः हफ्ते देरी से डब्ल्यू० एच० ओ० को इस बीमारी से अवगत कराया जबकि वुहान में पहला केस दिसंबर में पाया गया था। उन्होंने भारत की वर्तमान स्थिति के बारे में बात करते हुए इस बारे में भी बात की कि भारत के लोग और सरकार किस प्रकार इस महामारी से निपट रहे हैं।

प्रो० सी० पी० सिंह

विधि संकाय के डीन प्रो० सी० पी० सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आज के परिदृश्य का एक ज्वलंत मुद्दा है तथा विश्व के सभी देश इस भयावह महामारी से जूझ रहे हैं। उन्होने इस महामारी के दौरान अंतर्राष्ट्रीय शांति पर मंडरा रहे खतरों के बारे में चर्चा करते हुए प्रदूषण, आतंकवाद, तथा हथियारों पर अन्य देशों द्वारा किये जा रहे अत्यधिक खर्च को विश्व शांति के लिए खतरा बताया तथा शक्तिशाली और विकसित देशों के द्वारा किए जा रहे कुछ कार्यो को अपक्रत्य कहा। उन्होने यह भी कहा कि इस तरह के कार्यों के कारण विश्व शांति एवं सदभाव खतरे मे पड़ सकता है और इस महामारी के दौरान यह अति आवश्यक है कि सभी देश एक दूसरे की सहायता करें तथा मिलकर इस महामारी से निपटें।

सुश्री स्वाति सिंह परमार

प्रथम दिवस पर सुश्री स्वाति सिंह परमार ने "यूज ऑफ लॉ इन इंटरनेशनल पीस कीपिंग" विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि सरकार को शांति की ऑन-दी-स्पॉट कार्रवाई के बारे में सोचना चाहिए। उन्होने नकारात्मक

और सकारात्मक शांति के बारे में भी बात की। उन्होने अंतरराष्ट्रीय राजनीति के बारे में बात की और कानूनी अधिकारों और राजनीतिक हितों के बारे में बताया। उन्होंने यह भी बात की कि संयुक्त राष्ट्र का चार्टर अंतरराष्ट्रीय शांति की गारंटी कैसे देता है और इसके कुछ आर्टिकल जैसे कि आर्टिकल 1, आर्टिकल ४३, आर्टिकल ४६ आर्टिकल ४७ आदि।

प्रो० मानुका का खन्ना

प्रो० मानुका का खन्ना ने "रोल ऑफ सुपर पॉवर्स इन रेसॉल्विंग कॉंफ़्लिकट" विषय पर अपने विचार व्यक्त किये।

इस वेबिनार में देश की विभिन्न जगहों से लगभग ४०० विद्यार्थियों, अध्यापकों, विधि पेशेवरों तथा अनुसंधान एवं पीएचडी स्कॉलर आदि ने भाग लिया।

प्रो० मोहम्मद अहमद

वेबिनार के आयोजन सचिव विधि संकाय विवि के प्रो० मोहम्मद अहमद ने सभी अतिथि वक्ताओं का अभिनंदन किया तथा विषय पर अपने विचार प्रकट किये।

द्वितीय दिवस

२७/०५/२०२०

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के द्वारा "क्वेस्ट फॉर वर्ल्ड पीस इन २१ सेंच्युरी" विषय पर आयोजित ३ दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में दूसरे दिन-

प्रो० राकेश चंद्र

लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के प्रो० राकेश चंद्र ने “रेविज़िटिंग पेरपेचुअल पीस” विषय पर बात की। उन्होने दर्शनिक स्कूल का मानवता के साथ संबंध बताते हुए मानव सोच तथा उसके समाज में उत्तरजीविता पर चर्चा की। साथ ही उन्होने रूसो, कांत तथा कार्ल मार्क्स की राजनीतिक मीमांसा पर भी चर्चा की।

डॉ प्रशांत शुक्ला

एलयू के दर्शनशास्त्र विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ प्रशांत शुक्ला ने “द नोशन ऑफ वर्ल्ड पीस इन क्लासिकल ग्रीक थाट्स: अ क्रिटिकल एक्सपोजिशन ऑफ़ प्लेटोज़ पोजिशन” विषय पर अपने विचार व्यक्त किए तथा प्लेटो द्वारा दिये गए वॉर के दो डिविजन्स का वर्णन किया तथा इसका हल शिक्षा को बताया। साथ ही उन्होने प्लेटो की रिपब्लिक मे बताये गए पर्फेक्ट सिटी मॉडल को भी समझाया।। डॉ प्रशांत शुक्ला ने यह भी कहा कि वर्तमान परिदृश्य में जब कोरोना महामारी और लॉकडाउन को लेकर इतना बहस और विवाद है, हम विश्व शांति के लिए तरस रहे हैं। वेबिनार के दूसरे दिन भी विद्यार्थियों, तथा स्कॉलर आदि ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और वेबिनार को सफल बनाया।

तृतीय दिवस

२८/०५/२०२०

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के द्वारा "क्वेस्ट फॉर वर्ल्ड पीस इन २१ सेंच्युरी" विषय पर आयोजित ३ दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार मे तीसरे और अंतिम दिन पर वेबिनार दो हिस्सों मे आयोजित किया गया पहला प्रात: काल १० बजे तथा दूसरा सांय ४ बजे।

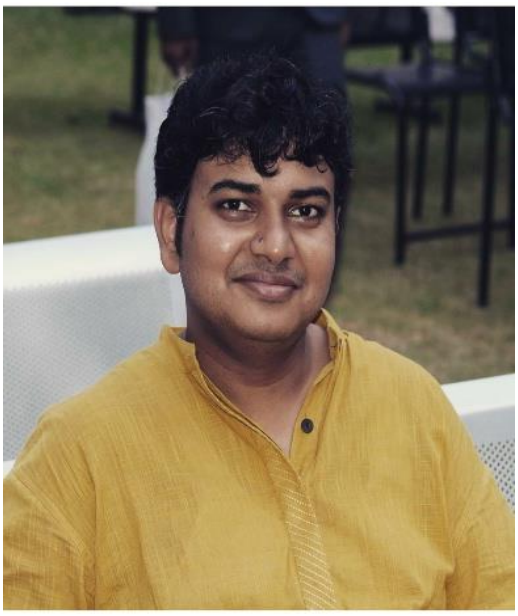

प्रो० विजय किशोर तिवारी

प्रात:काल नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्युरिडिकल साइंसेस, कोलकाता के सहायक प्रो० विजय किशोर तिवारी ने "ह्यूमन सेक्योरिटी, आर टु पी एंड द क्वेशचन ऑफ़ वर्ल्ड पीस: अ व्यू फ्रॉम थर्ड वर्ल्ड" विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान परिदृश्य में शांति वांछनीय है लेकिन हमें यह जानने की जरूरत है कि हमें किस प्रकार की शांति मिल रही है। उन्होंने लिबरल पीस मॉडल को समझाते हुए बताया कि कैसे इस मॉडल ने खुद को एक शांति निर्माण परियोजना के रूप में परिभाषित किया है और कहा की इस मॉडल को न केवल सैन्य हस्तक्षेप बल्कि अंतरराष्ट्रीय नागरिक समाज और अंतर्राष्ट्रीय सेवाओं की भी आवश्यकता है। उन्होने संप्रभुता के विषय मे कहा अगर कोई राष्ट्र सुशासन और उदार संविधान आदि के धरातल पर फेल हो रहा है, तो वह राष्ट्र संप्रभु नही बन सकता। उन्होंने एक अमेरिकी राजनीतिक अर्थशास्त्री और लेखक योशीहिरो फ्रांसिस फुकुयामा की किताब "द एंड ऑफ हिस्ट्री एंड द लास चर्चा करते हुए लिबरल डेमोक्रेसी पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी कहा कि उपनिवेशवाद पारंपरिक ज्ञान की हत्या करता है। उन्होंने मानव सुरक्षा के बारे में भी बात की और दो दृष्टिकोणों का वर्णन किया एक संकीर्ण, जो कनाडा सरकार द्वारा प्रस्तावित किया गया था और यह व्यक्ति को हिंसक आलोचकों से बचाने की बात करता है और दूसरा व्यापक है जो इस तथ्य पर केंद्रित है कि मानव प्रतिभूतियों की स्वतंत्रता में भय से स्वतंत्रता और अपनी ओर से कार्रवाई करने की स्वतंत्रता भी शामिल होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि संकेत हैं कि पोस्ट कोविड युग में गैर-क्षणिक आंदोलन भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ भानु प्रताप

वेबिनार के दूसरे हिस्से मे लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ भानु प्रताप ने "लीगल मोनिस्म एंड वर्ल्ड पीस" विषय पर अपने विचार साझा किये। उन्होने लीगल मोनिस्म को सबसे उपेक्षित सिद्धांत बताया। उन्होंने कहा कि लीगल मोनिस्म प्योर थ्योरी ऑफ लॉ से जुड़ा हुआ है और यह इस नए दृष्टिकोण से एक नया दृष्टिकोण था। उन्होंने प्योर थ्योरी ऑफ को विस्तार से बताया और कहा कि प्योर थ्योरी ऑफ लॉ इमैनुएल कांत की "क्रिटिक ऑफ प्योर रीज़न" से आया है। इस मुद्दे पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि केल्सन का विचार था कि नगरपालिका कानून और अंतर्राष्ट्रीय कानून को दो अलग-अलग पहलुओं के रूप में अंतर करके हम विश्व शांति स्थापित नहीं कर सकते हैं और विश्व शांति स्थापित करने के लिए हमें लीगल मोनिस्म नामक एक नए दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

वेबिनार के समापन पर विधि संकाय के प्रो० राकेश सिंह ने प्रधानमंत्री द्वारा दिये गये आत्मनिर्भरता के स्लोगन को महान बताया तथा यह भी कहा कि कोई भी देश कोरोना महामारी से अकेले लड़ने में सक्षम नहीं है, इसलिए हम सभी को सर्वसम्मति से लड़ना होगा, जिसके लिए सभी राष्ट्र को शांत रहने और विश्व शांति स्थापित करने की कोशिश करने की आवश्यकता है। वेबिनार के समापन अवसर पर इलाहाबाद हाई कोर्ट के एडवोकेट राहुल अग्रवाल ने भी अपने विचार साझा किये।

वेबिनार के अंतिम दिन भी विद्यार्थियों, तथा स्कॉलर आदि ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और वेबिनार को सफल बनाया। इस वेबिनार के आयोजन में विधि संकाय विवि के छात्र अध्यक्ष सक्षम अग्रवाल, छात्र संयोजक सचिन वर्मा, छात्र सह-संयोजक विनय यादव तथा दिव्यांशु चतुर्वेदी, छात्र समन्वयक शिशिर यादव तथा शिखर सिंह ने प्रमुख भूमिका निभाई।